

EGRA SARADA SHASHI BHUSAN COLLEGE



ESTD. : 1968

(Reaccredited by NAAC with – ‘B’ Grade with a CGPA of 2.32)

An ISO Certified College for ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015

Post – Egra : Dist – Purba Medinipur (West Bengal) : Pin – 721429.

President : Mr. Tarun Kumar Maity, M.L.A., W.B.

Principal : Dr. Dipak Kumar Tamili.

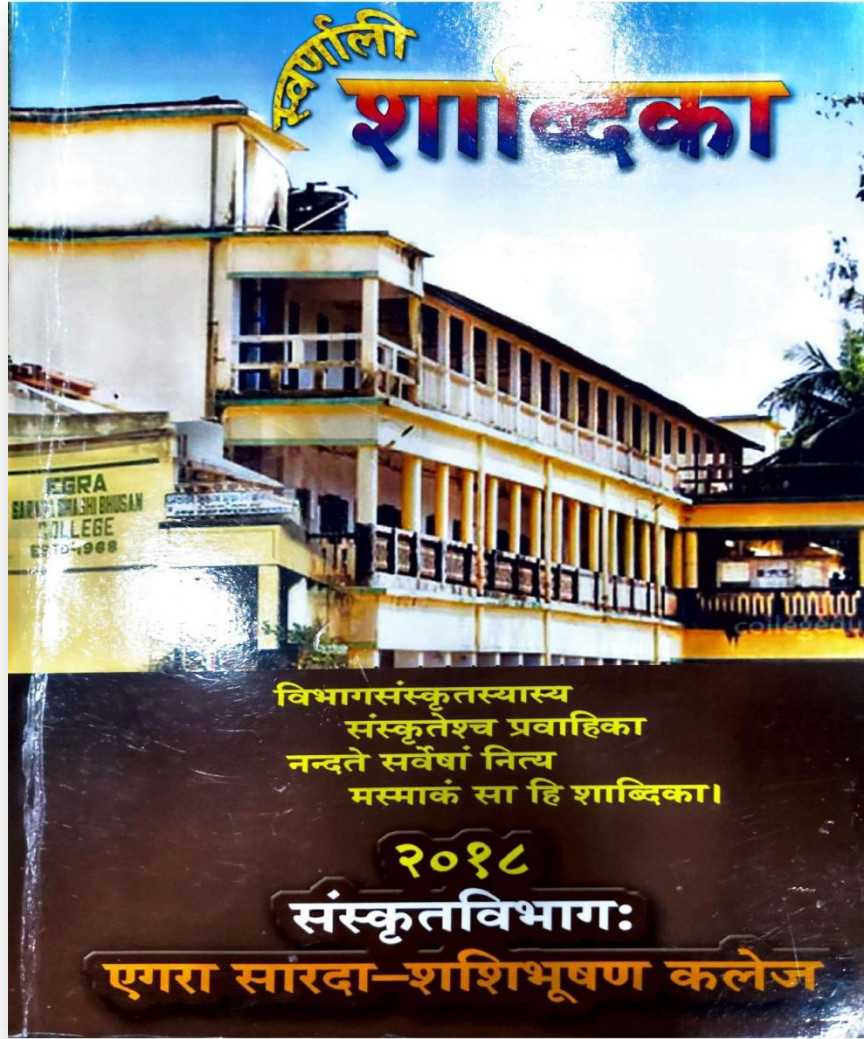
☎ : 03220-244073, Website - www.egrassbcollege.ac.in : E-mail – info@egrassbcollege.ac.in

Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five years (5)

Relevant Document

2018 - 2019

MANAB SAVYATAY ARANYER ABADAN



EGRA SARADA SHASHI BHUSAN COLLEGE

ESTD. : 1968

(Reaccredited by NAAC with – 'B' Grade with a CGPA of 2.32)

An ISO Certified College for ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015

Post – Egra : Dist – Purba Medinipur (West Bengal) : Pin – 721429.

President : Mr. Tarun Kumar Maity, M.L.A., W.B.

Principal : Dr. Dipak Kumar Tamili.

☎ : 03220-244073, Website - www.egrassbcollege.ac.in : E-mail – info@egrassbcollege.ac.in



স্বর্ণালী শাব্দিকা

প্রকাশক :

স্বপন কুমার মাইতি

চলভাষ :

৯৭৩৩০৫৬২২১

বিশেষ সংখ্যা :

শুভ রাখীবন্দন-২০১৮

ISBN- '978-81-937143-4-8'

মুদ্রণে

শ্রীকৃষ্ণ প্রিন্টিং

৩০ বিধান সরণী

মূল্য : ১০০০ টাকা

ESTD. : 1968

(Reaccredited by NAAC with – 'B' Grade with a CGPA of 2.32)

An ISO Certified College for ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015

Post – Egra : Dist – Purba Medinipur (West Bengal) : Pin – 721429.

President : Mr. Tarun Kumar Maity, M.L.A., W.B.

Principal : Dr. Dipak Kumar Tamili.

☎ : 03220-244073, Website - www.egrassbcollege.ac.in : E-mail – info@egrassbcollege.ac.in



स्वर्णाली शाब्दिका

सूची

बङ्गदेश ও সংস্কृत	Dr. Janesh Ranjan Bhattacharya	9
बङ्गव्याकरणचर्चा	श्रीपञ्चाननपण्डा, विद्यावारिधि:।	15
वैदिक युगेर शिक्षा-व्यवस्था	ड. अमदा शङ्कर पाहाडी	19
वैदिकशिक्षया: विशेषता	श्रीसुशान्तभुज्या,	40
वैदिकभारते स्त्रीशिक्षा	मोनालिसा शीट,	47
ज्ञाने गुरुगरिमा	चन्दन-मण्डल:	53
वैदिक-नारी	अभिजित्-पण्डित:	58
कठोपनिषदे वर्णित प्राचीन भारतीय शिक्षापद्धति : एक अध्ययन	<i>Debasri Giri</i>	63
उपनिषदि कथिता वैदिकशिक्षाव्यवस्था	अध्यापिका टुम्पा जाना	68
GURUKULA SYSTEM OF VEDIC EDUCATION : SOME COMMENTS.		
	Ganesh Tosh	73
मानव सभ्यताय अरण्येय अवदान	अञ्जरा भट्टाचार्या	76
<i>Teacher-Student Relationship During Ancient India And It's Requirements In Present Era</i>		
: A Study	TANMAY KR. SING	81
वैदिकशिक्षणो महीयसी रमणी	मौमिता ख्राण्डा	85
प्राचीन ओ वर्तमान शिक्षा व्यवस्थाय वेदेर अवदान	विलास महलदार	89
वैदिकयुगे भारतेर शिक्षाव्यवस्था	देवार्पिता ब्यानाजी	95

ESTD. : 1968

(Reaccredited by NAAC with – ‘B’ Grade with a CGPA of 2.32)

An ISO Certified College for ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015

Post – Egra : Dist – Purba Medinipur (West Bengal) : Pin – 721429.

President : Mr. Tarun Kumar Maity, M.L.A., W.B.

Principal : Dr. Dipak Kumar Tamili.

☎ : 03220-244073, Website - www.egrassbcollege.ac.in : E-mail – info@egrassbcollege.ac.in



स्वर्णाली शाब्दिका

Evolution of Education in the R̥ gveda	Trina Das	101	
The Education system in the Later Vedic Age: A critical overview	Somnath Pradhan	105	
सांख्यदर्शने शिक्षा	शुभमययाहाड़ी	111	
वैदिकयुगे प्रचलिता: दश शिक्षणविधयः	Sanatan Das.	114	
बैदिक शिक्षाव्यवहार उल्लेखयोग्य वैशिष्ट्य समूह	राजिबुलखान	120	
आधुनिक शिक्षाव्यवहार परिप्रेक्षिते बैदिक शिक्षाव्यवहार प्रासङ्गिकता	विचार	कौशिक पात्र	126
बैदिक शिक्षाव्यवहार वर्तमान शिक्षाय प्रासङ्गिकता	चिन्मय माईति	138	
वर्तमान शिक्षाव्यवहार क्षेत्रे ग्रहणयोग्य बैदिक शिक्षाव्यवहार उल्लेखयोग्य वैशिष्ट्यसमूह।	प्रसेनजि७ मंगुल	145	
प्राचीन भारते बैदिक शिक्षापद्धतिर गुरुतर वैशिष्ट्यसमूह	नमिता साहा	150	
वैदिकसाहित्ये प्रतिफलिता स्त्रीशिक्षा	शोधछात्र: तरणीकुमारपण्डा	154	
आधुनिक शिक्षाय बैदिक शिक्षारीति अनुसरण	सुचेता आदक	158	
Education in Yoga Philosophy	Mrs. Bidisha Tripathy	164	
स्वर्ण ओ पक्ष महायज्ञेर परिप्रेक्षिते सामाजिक प्राप्ति	Sutapa Giri,	167	

वैदिक शिक्षणविधयः शिक्षणविधयः श्रीशुभाशुभकृत १०

ESTD. : 1968

(Reaccredited by NAAC with – 'B' Grade with a CGPA of 2.32)

An ISO Certified College for ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015

Post – Egra : Dist – Purba Medinipur (West Bengal) : Pin – 721429.

President : Mr. Tarun Kumar Maity, M.L.A., W.B.

Principal : Dr. Dipak Kumar Tamili.

☎ : 03220-244073, Website - www.egrassbcollege.ac.in : E-mail – info@egrassbcollege.ac.in



স্বর্ণালী শাব্দিকা

মানব সভ্যতায় অরণ্যের অবদান

অম্বরা ভট্টাচার্য

আংশিক সময়ের

অধ্যাপিকা

এগরা এস.এস.বি মহাবিদ্যালয়

পৃথিবীর আদিমতম সভ্যতা হল মানবসভ্যতা। এই মানবসভ্যতা ছিল অরণ্যকেন্দ্রিক। অর্থাৎ অরণ্যকে কেন্দ্র করেই সৃষ্টি হয় মানবসভ্যতার ধারাবাহিকতা। পৃথিবীতে প্রথম প্রানের বিকাশ ঘটে সবুজ উদ্ভিদের সবুজকণা ক্লোরোফিসের মাধ্যমে যা সূর্যালোক থেকে খাদ্যপ্রানরূপে গৃহীত। মাতৃবক্ষে যেমন শিশুর জন্মের পূর্বে অমৃতসঞ্চয় হয় জন্মকালীন শিশুর খাদ্যপ্রান হিসেবে, তিক তেমনি মানবসভ্যতার পরিপুষ্টি ও বিকাশের পূর্বে ঈশ্বর সৃষ্টি করেছিলেন শ্যামল-ঘন অরণ্য, যা মানব থেকে শুরু করে পশু-পক্ষী কীট-পতঙ্গের প্রানধারনরূপ অক্সিজেন ও খাদ্যপ্রাণ রূপ ABCD ভিটামিন বিদ্যমান। সভ্যতার সঙ্গে অরণ্যের সম্পর্ক অপত্যের। বস্তুত অরণ্যই সেই প্রমিথিউস। শমীবৃক্ষের ঘর্ষনে মানুষ আগন আবিষ্কার করেছিল। এরপর কৃষি এ-ও অরণ্যের দান। ফল মাটিতে পড়ে জল পেয়ে বীজ থেকে আবার বৃক্ষ হয়, পর্যবেক্ষনের মাধ্যমে ঐ শিক্ষা মানুষ গাছের কাছেই পেয়েছে।

অরণ্যে অধীত বিদ্যই অরণ্যকে রূপে উপজীব্য। সয়নাচার্য্য ঐতয়ের আরণ্যকের ভাষ্যভূমিকায় বলেন- 'ঐতরেয় ব্রাহ্মণে দিপ্তিকান্ডমারন্যকভিধম অরণ্যে এব পাঠ্যহাদারণ্যকমিতীর্থতে।'

অরণ্যকে নিয়েই গড়ে ওঠে মানুষের বসবাস। আদিমযুগে গাছের পাতা ও ফলফুল ছিল মানুষের অতি কাছের প্রয়োজনীয় আহাৰ্য বস্তু। প্রানধারণ ও শ্বা পদসঙ্কুল প্রাণীদের হাত থেকে বাঁচার জন্য পর্ণকূটার নির্মাণ বৈদিক সভ্যতা থেকে শুরু করে রসায়ন মহাভারত পরবর্তীকালে বিভিন্ন সাহিত্য স্রীয় মহিময়ায় উজ্জ্বল।

বিশ্বমানব সভ্যতার অন্যতম উজ্জ্বললোকে বর্তিকঅ হল ভারতীয় সভ্যতা। অশ্বক্রান্তা, রথক্রান্তা, বিষ্ণুক্রান্তা বসুন্ধরা ভারতবর্ষ যা ভারতীয় সংস্কৃতি ঐতিহ্যমন্ডিত। এই সভ্যতা সৃষ্টির উৎস হল অরণ্যকেন্দ্রিক যা প্রত্যক্ষ ও পরোক্ষভাবে যুক্ত।

ঋকবেদ দিয়েই আলোচনার সূত্রপাত করা চলে, ঋগ্বেদের দশমমন্ডলে ১০৮ তম সূক্ত